



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 30, 1991/माघ 10, 1912

No. 45] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 30, 1991/MAGHA 10, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के लिए में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

आधिकारिक

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1941

सं. 3-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन टी)

सा. का. नि. 53 (भ) :--केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस प्रधा के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्यात्र शुल्क के उद्यात्र की आबत (जिसके अन्तर्गत उमका उद्यात्र न किया जाना भी है) भावारण्यतया प्रकलित थी उक्त अधिनियम की पूर्ती अनुसूची की उस नमय विभाग ट्रैफिक मड़ सं. 263 के अन्तर्गत जांत वारी नवे की नाम की छह।

पर जिनका विविधांशुक संदर्भ नावे की तरीके का इलाकाओं से किया गया है, उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन, 13 मई, 1969 को प्राप्त होने वाली और 1 अगस्त, 1981 को समाप्त होने वाली संश्विके द्वारा उद्योगीत नहीं किया जा रहा था;

और ऐसे नावे के तार, गो छड़ों पर विशेष उत्पाद शुल्क पूर्वान्तर व्यवस्था के द्वारा ऐसे भूल्य के उद्योग में संबंधित मुद्रण विवि के अधीन भी उद्योगीत नहीं किया जा रहा था,

अतः, ग्रन्थ, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11ना द्वारा प्रदत्त गवितवारों का प्रयोग करने हुए, यह निवेदण करती है कि उक्त प्रथा के न छोड़ने पर, ऐसे नावे की तरीके की छड़ों पर, व्यापारिश्वरीत, उक्त अधिनियम के अधीन या उक्त विधि के अधीन उद्योगीत नंदूर्य उत्पाद शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क ऐसे नावे के नावे की छड़ों की आवश्यकता नहीं होता, जिन पर उक्त उत्पाद शुल्क या विशेष उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के प्रनेतार पूर्वान्तर व्यवस्था के द्वारा उद्योगीत नहीं किया गया था।

ए.एन. शर्मा, अन्वर गन्धी
[F. No. 138/22/84-सीएस-३]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th January, 1991

No. 3-Central Excises (NT)

G.S.R. 53 (F).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on copper wire rods falling under the then existing tariff item No. 26A of the First Schedule to the said Act, manufactured out of duty paid copper wire bars, was not being levied under section 3 of the said Act, during the period commencing on the 13th day of May, 1969 and ending with the 1st day of August, 1981;

And, whereas the special duty of excise on such copper wire rods was also not being levied under the relevant law related to the levy of such duty during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of duty of excise and the special duty of excise leviable under the said Act or, as the case may be, under the said law, on such copper wire rods, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such copper wire rods, on which the said duty of excise or the special duty of excise was not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 138/22/84-CX. 4]

A. N. SHARMA, Under Secy.